RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार, 23 मार्च 2023 वर्ष 04 अंक 289 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

ऑटो रिक्शा चालकों और मालकों की समस्या को दूर करने के लिए
सरकार बनाएगी नई नीति

विधान परिषद में मंत्री दादाजी भुसे ने दी जानकारी...

मुंबई : राज्य के आटोरिक्शा चालकों और मालकों की सभी समस्या और अड़चने को दूर करने के लिए सभी रिक्शा संगठनों को विश्वास में लेकर जल्द से जल्द एक नई नीति बनाई जाएगी। मंगलवार को विधानपरिषद में जेडीयू सदस्य कपिल पाटिल ने ध्यानकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से रिक्शा वालो को होने वाली समस्या का मुद्दा उपस्थित किया था जिसके जवाब में मंत्री दादाजी भूसे बोल रहे थे. भुसे ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में रिक्शा चालकों के लिए ऑटो रिक्शा एवं टैक्सी चालक-मालिक कल्याण महामंडल स्थापित करने का निर्णय लिया है. इस महामंडल की नीति निर्धारित कर प्रभावी ढंग से लागू की जाएगी। साथ ही यह नीति व्यापक होगी। साथ ही लेबर बोर्ड के ड्राफ्ट पॉलिसी को आधार मानकर नीति का निर्धारण किया जाएगा। दादाजी ने कहा कि राज्य में ऑटो रिक्शा के लाइसेंस आवेदन के दौरान सीएनजी और पीएनजी कोटे की क्षमता और अन्य सहायक मामलों की जांच की जाएगी। भुसे ने कहा कि रिक्शा चालकों द्वारा ऋण की अदायगी न करने के कारण रिक्शों को साहूकार द्वारा जब्त कर उस पर ब्याज सहित ऋण माफ करने का मामला सरकार के अधिकार में नहीं है, बल्कि वित्तीय संस्थान सरकार के निदेर्शानुसार कार्य करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के साथ ही अन्य कारणों से समय-समय पर की जाने वाली दंडात्मक कार्रवाई के संबंध में सरकार जांच कर सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 146 के अनुसार वाहन का तृतीय पक्ष बीमा होना आवश्यक है। इस चर्चा में सदस्य अभिजीत वंजारी, महादेव जानकर, शशिकांत शिंदे, अनिल परब, एकनाथ खडसे और अनिकेत तटकरे ने भाग लिया।

राज ठाकरे भावी मुख्यमंत्री...
मनसे की बैनरबाजी का संजय राउत ने दिया ऐसा जवाब...

मुंबई : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की तरफ से मुंबई के दादर स्थित शिवसेना भवन के सामने पोस्टर लगाए गए हैं। इसमें राज ठाकरे को भावी मुख्यमंत्री बताया गया है। इस बैनरबाजी के बाद अब राजनीति में नयी चर्चा होने लगी है। मनसे द्वारा लगाए गए इस पोस्टर अब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि, इस देश में लोकतंत्र है। इस देश में एक साधारण नागरिक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन सकता है। हम लोकतंत्र में विश्वास करते हैं। अगर आपके पास बहुमत है तो आप उस पद के लिए जा सकते हैं। आखिर यह नंबरों का खेल है। बहुमत हमेशा चंचल होता है। आज हमारे पास है तो कल किसी और के पास होगा। इसलिए हमें बहुमत के खेल पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इस दौरान संजय राउत ने शुगर फैक्ट्री मामले में राज्य के मंत्री दादा भूसे की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि, दादा भूसे की तरफ ज्यादा ध्यान देने की जरुरत नहीं है। वह कल अपनी दाढ़ी में लगी आग को बुझाने का काम कर रहे है। मैंने व्यक्तिगत रूप से कभी किसी पर आरोप नहीं लगाया। मालेगांव क्षेत्र के किसान एक फरवरी से सड़कों पर उतरे हुए हैं। गिरना एग्रो शुगर फैक्ट्री के नाम से करोड़ों रुपए के शेयर जुटाए गए। 175 करोड़ शेयर जुटाए गए हैं। इसका हिसाब दो। मैं कब कहां कि तुमने ऐसा किया और ऐसा किया। हिसाब दो। किसान हिसाब मांग रहा है। सिर्फ हिसाब मांगने के लिए अपनी दाढ़ी क्यों जलाते हो?

आप किस तरह के खुद्दार?

संजय राउत ने आगे कहा कि, आप हमारे खिलाफ मार्च क्यों निकाल रहे हो ? आपने उस पैसे का क्या किया? हिसाब दो ना। मामला कोर्ट में दर्ज है। आप कोर्ट कैसे गए? आपने करोड़ों रुपए जमा किए हैं और डेढ़ से दो करोड़ का हिसाब दिखाइए। यह आपकी वेबसाइट पर है। आप क्या हमें महा गद्दार कह रहे हैं? आपने जनता को धोखा दिया। आप शिवसेना के वोट पर चुने गए थे। उद्धव ठाकरे ने आपके लिए प्रचार किया। आपने गद्दारी की। आप हमें मत बताओ। आप किस तरह के खुद्दार हैं? अपने पद से इस्तीफा दो अय्यर फिर से चुनाव लड़ो। इस दौरान संजय राउत ने किसानों की परेशानी पर भी बात कही। उन्होंने कहा कि, आज से नए साल की शुरूआत हुई है।

गड्ढे की जिम्मेदारी ठेकेदारों पर, मनपा ने 3 साल का दिया ठेका

इस साल रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट, रिएक्टिव डामर तकनीकी का होगा इस्तेमाल...15 मिनट में दौड़ने लगेगी वाहन

मुंबई : अभी मानसून आने में लगभग तीन महीने का समय है। पिछले कुछ दिनो से जिस तरह मानसून ने करवट बदला है किसानों की हालत तो खस्ता की ही है। मुंबई की सड़को को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। मनपा प्रशासन द्वारा मानसून पूर्व शुरू की गई नाला सफाई का कीचड़ दोबारा नाले में डालने का काम मंगलवार को हुई बारिश ने किया। मनपा प्रशासन ने इस साल मानसून पूर्व सड़क पर पड़ने वाले गढ्ढों को भरने की पूरी जिम्मेदारी ठेकेदारों पर डालने का कदम उठाया है। गढ्ढा भरे जाने के बाद उसकी आगे की देखभाल और मरम्मत की जिम्मेदारी तीन साल तक ठेकेदार पर होगी । गड्ढे दोबारा उखड़ गए तो ठेकेदार पर दंड लगाया जाएगा और ब्लैक लिस्टेड करने का भी प्रावधान किया गया है।

मनपा प्रशासन ने मानसून के दौरान सड़क पर पड़ने वाले गढ्ढों को भरने के लिए इस साल रैपिड हार्डनिंग कंक्रीट और रिएक्टिव डामर तकनीकी का सहारा लेने का निर्णय लिया है ।इस पद्धति से भरे गए गढ्ढों पर दोबारा वाहन 15 में दौड़ने लगेगी। मनपा ने नई पद्धति

से गढ्ढे भरने के लिए कंपनियों को ठेका भरने के लिए निविदा निकाली है और उन्हे लाइव डेमो देने का निर्देश दिया है ।मानसून के दौरान सड़क पर पड़ने वाले गढ्ढों से मनपा की बड़ी छीछालेदर होती है. इसके लिए मनपा ने नई तकनिकी अपनाने का निणर्य लिया है। रिएक्टिव डामर तकनीक का उपयोग करने जा रही है। जो भारी बारिश में भी गड्ढों को भर सकता है। इस तकनीक से गड्ढे भरने के 15 मिनट बाद ही सड़क पर यातायात शुरू किया जा सकेगा। साथ ही रैपिड हार्डनिंग तकनीक का उपयोग भी गड्ढों को भरने के लिए किया जाएगा जो केवल छह घंटों में पूरी क्षमता से यातायात शुरू कर सकता है।

रिएक्टिव डामर तकनीक का उपयोग करने जा रही है। जो भारी बारिश में भी गड्ढों को भर सकता है। इस तकनीक से गड्ढे भरने के 15 मिनट बाद ही सड़क पर यातायात शुरू किया जा सकेगा। साथ ही रैपिड हार्डनिंग तकनीक का उपयोग भी गड्ढों को भरने के लिए किया जाएगा जो केवल छह घंटों में पूरी क्षमता से यातायात शुरू कर सकता है। इसके लिए बीएमसी प्रशासन ने ठेकेदारों से टेंडर मंगाए हैं। ठेकेदारों को इस काम का बीएमसी प्रशासन के सामने लाइव डेमो देना होगा। साथ ही काम के तीन साल बाद तक गड्ढों को भरने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की रहेगी। यदि तीन वर्ष के भीतर गड्ढे भरने में लापरवाही की जाती है तो ठेकेदार पर जुमार्ना या उसे ब्लैक लिस्ट में डालने की कार्रवाई की जाएगी ।मनपा अधिकारी ने बताया कि बारिश के दौरान मुंबई में बड़े पैमाने पर गड्ढों की समस्या सामने आती है।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

समाधान का रास्ता

किसी भी विवाद के समाधान का आसान उपाय यह होता है कि बीच के रास्ते की तलाश की जाए। ऐसे किसी मामले में तो ऐसा करना और भी आवश्यक हो जाता है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने रवैये पर अड़े हों, लेकिन संसद में जारी गतिरोध को दूर करने के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश कह रहे हैं कि बीच का कोई रास्ता ही नहीं है। यह अड़ियल रवैया है और इसका अर्थ है कि कांग्रेस अपनी इस मांग पर अड़ी रहेगी कि अदाणी मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से कराई जाए।

हैरानी नहीं कि इसके जवाब में सत्तापक्ष इस पर अड़ जाए कि राहुल गांधी को अपने उस बयान के लिए माफी मांगनी ही होगी, जो उन्होंने लंदन में दिया और जिसमें यह कहा कि भारत में लोकतंत्र समाप्त हो जाने पर अमेरिका और यूरोप कुछ बोल क्यों नहीं रहे हैं। यदि ऐसा होता है, जिसके आसार भी दिख रहे हैं तो संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण बिना किसी कामकाज के समाप्त हो सकता है। इस स्थिति में वित्त विधेयक बिना किसी बहस पारित कराने की नौबत आ सकती है। इससे सबसे अधिक हानि विपक्ष की ही होगी, लेकिन शायद वह इस पर ध्यान देने के लिए तैयार नहीं। यदि संसद नहीं चली तो लगभग तीन दर्जन प्रस्तावित विधेयक भी ठंडे बस्ते में चले जाएंगे। इससे सत्तापक्ष और विपक्ष की सेहत पर भले ही कोई असर न पड़े, लेकिन देश का नुकसान होना तय है। यह समझ आता है कि कांग्रेस और उसके साथ खड़े दल इस पर जोर दें कि अदाणी मामले की जांच हो, लेकिन इसका कोई औचित्य नहीं कि जांच जेपीसी से कराने की जिद पकड़ी जाए। वित्तीय मामलों और विशेष रूप से शेयर बाजार से जुड़े मामलों की जांच जेपीसी से कराने का अब तक अनुभव यही बताता है कि जांच का यह तरीका समय की बर्बादी के अलावा और कुछ नहीं होता। जेपीसी के जरिये शायद ही किसी मामले की तह तक पहुंचा जा सका हो। जेपीसी की जांच दलगत राजनीति का अखाड़ा भर बनकर रह जाती है। जब सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित समिति इस मामले की जांच कर रही है और इस समिति के समस्त सदस्य शीर्ष अदालत ने स्वयं तय किए हैं, तब फिर जेपीसी जांच की मांग पर बल देने का कोई मतलब नहीं। क्या विपक्ष और विशेष रूप कांग्रेस यह कहना चाहती है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित समिति अदाणी मामले की जांच सही तरह नहीं कर पाएगी? क्या उसे सुप्रीम कोर्ट और उसकी समिति पर भरोसा नहीं? जो भी हो, अदाणी मामले की जांच जेपीसी से कराने की मांग के जवाब में जिस तरह राहुल गांधी से माफी मांगने पर जोर दिया जा रहा है, उससे संसद बंधक सी बनी दिखने लगी है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

विधान परिषद में १२ विधायकों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी

मुंबई, राज्यपाल द्वारा मनोनीत कोटे से विधान परिषद में १२ विधायकों की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को तगड़ा झटका दिया है। राज्यपाल द्वारा नियुक्त विधायकों के मामले में जवाबी हलफनामा जमा नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए इस मामले में अगली सुनवाई तक स्थगन आदेश कायम रखा है। इसलिए राज्यपाल द्वारा नियुक्त विधायकों को सरकार द्वारा नियुक्त नहीं किया जा सकता है, ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है।

महाराष्ट्र विधान परिषद में राज्यपाल कोटे के १२ विधायकों की नियुक्तियां पिछले तीन साल से रुकी हुई हैं। सरकार द्वारा विधायकों की नियुक्ति का मुद्दा आए दिन चर्चा में है।

राज्य सरकार कोर्ट में सिर्फ तारीख पर तारीख ले रही है। इस संबंध में राज्य सरकार ने कल फिर एक बार सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर हलफनामा पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा है।

इससे यह साफ हो गया है कि सरकार इस मामले को सिर्फ आगे धकेल रही है। महाविकास आघाड़ी सरकार ने राज्यपाल द्वारा मनोनीत १२ विधान परिषद सदस्यों की नियुक्ति के संबंध में तत्कालीन राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के खिलाफ याचिका दायर कर रखी है, जिस पर कल सुनवाई हुई।

१४ दिसंबर २०२२ को मूल याचिकाकर्ता ने विड्रॉल का आवेदन किया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट पर आगुमेंट करने का आदेश दिया था। लेकिन सरकार द्वारा इस पर मेरिट से आगुमेंट करने की बजाय केवल तारीखों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस संबंध में सुनील मोदी ने अंतरराष्ट्रीय याचिका दाखिल की है। कल सुनील मोदी ने मुख्य याचिकाकर्ता बनने को तैयार होने की याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दायर की है। इन दोनों याचिकाओं पर तीन सप्ताह बाद सुनवाई होगी। उस समय संभावना है कि मेरिट के आधार पर बहस की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा।

अप्पा पाड़ा आगजनी : प्रशासन से मदद का अब भी इंतजार

मुंबई, मालाड-पूर्व अप्पा पाड़ा में हुए आगजनी की घटना में पीड़ितों का दर्द शायर की एक लाइन में सिमट गया है। इस अग्निकांड में सब कुछ खो चुके पीड़ित खुद्दारी के साथ जी रहे हैं। घर का हर सामान खाक हो जाने के बाद गर्दिश में जी रहे पीड़ित लोग अब कपड़े, पानी, गैस चूल्हा, अनाज आदि के लिए लाचार हैं।

हालांकि, अपनी खुद्दारी के साथ जी रहे हैं और वे फिर से खड़े होने का प्रयास कर रहे हैं। अब भी उनके इरादे मजबूत हैं, उन्हें प्रशासन से मदद की आस है।

तमाम निजी संस्थाएं उनकी मदद के लिए आगे आ रही हैं। तपती चिलचिलाती धूप में वे दिन और खुले आसमान के नीचे रात गुजार रहे हैं। इसके बावजूद उनके हौसले बुलंद कि धीरे-धीरे फिर सब पटरी पर आ जाएगा। लोगों का कहना है कि फिर सब जुटाएंगे, फिर से आसियाना बनाएंगे। यहां मुसी१बत का सामना कर रहे पीड़ितों को किसी नेता की मदद नहीं मिल रही है। भाजपा के नेताओं ने यहां जाने की जहमत तक नहीं उठाई। स्थानीय सांसद गजानन कीर्तिकर हो या भाजपा के विधायक राजहंस सिंह सहित किसी बड़े नेता की लोगों को मदद नहीं मिली है।

ठाणे मनपा के सहायक आयुक्त महेश आहेर की आखिरकार छुट्टी

मुंबई, राकांपा विधायक व पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड की बेटी व उनके परिवार को खत्म करने की धमकी देने के मामले में ठाणे मनपा के सहायक आयुक्त महेश आहेर की आखिरकार छुट्टी कर दी गई है। उन्हें पद से हटाने की घोषणा कल उद्योग मंत्री उदय सामंत ने विधान परिषद में की।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष के सदस्य अनिल परब सहित विपक्षी सदस्यों ने आहेर के काम करने के तरीके को लेकर राज्य सरकार को जमकर घेरा। परब ने आरोप लगाया कि महेश आहेर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का करीबी होने का दावा कर मनमानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का करीबी होने का धौंस जमाते हैं।

आहेर को दो बार सस्पेंड किया जा चुका है। इसके बावजूद उन्हें अच्छी जगहों पर नियुक्त कर दिया जाता है। उन्हें वीआईपी सुरक्षा दी जाती है, जबकि और उनकी एसआईटी जांच कराई जानी चाहिए। इतने वर्षों तक उन्हें ठाणे में एक ही जगह कैसे नियुक्त किया जा सकता है? राकांपा के शशिकांत शिंदे ने आहेर पर मनमानी का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इसके जवाब में उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि इस मामले में मुख्यमंत्री को घसीटना उचित नहीं है।

शिक्षा क्षेत्र के लिए अभिशाप बनते जा रहे हैं कोचिंग क्लासेस!

मुंबई, पूरे राज्य में निजी कोचिंग क्लासेस का जाल फैलता जा रहा है। कोचिंग क्लासेस शिक्षा क्षेत्र के लिए अभिशाप बनते जा रहे हैं। यह आरोप लगाते हुए कल विधान परिषद में विपक्ष के सदस्यों ने राज्य सरकार को घेरा। स्कूली शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर ने यह कहते हुए लाचारी जताई कि कोचिंग क्लासेस पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। हालांकि, उन्होंने मंशा जताई कि विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए कोचिंग क्लासेस के लिए एक नियमावली बनाई जाएगी। साथ ही नियुक्त की गई समिति की सिफारिशों के आधार पर शिक्षा का स्तर सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

राज्य में फल-फूल रहे निजी कोचिंग क्लासेस और विद्यार्थियों से वसूली जा रही मनमानी फीस का मुद्दा ध्यानाकर्षण सूचना के तहत उठाया। सदस्यों ने

आरोप लगाया कि केजी से लेकर बारहवीं कक्षा तक के कोचिंग क्लासेस चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा बैंकिंग, एमपीएससी / यूपीएससी, अंग्रेजी स्पीकिंग, पुलिस / सेना भर्ती, संगीत, नृत्य, शेयर मार्केट , ग्राम सेवक से लेकर स्टाफ सेलेक्शन जैसे कोचिंग क्लासेस धड़ल्ले से चलाए जा रहे हैं लेकिन सरकार का उस पर कोई नियंत्रण नहीं है। इस बीच राकांपा सदस्य एकनाथ खड़से ने आरोप लगाया कि इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के पास कोई नीति नहीं है। फीस और विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए भी नीति निर्धारण नहीं है। कई सरकारी शिक्षक अच्छा वेतन ले रहे हैं, इसके बावजूद कोचिंग क्लासेस भी चला रहे हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्ष की सदस्य मनीषा कायंदे ने आरोप लगाया कि प्रतियोगिता से जुड़े कोचिंग क्लासेस को समझा जा सकता है, लेकिन केजी से बारहवीं तक के कोचिंग क्लासेस की बाढ़ आई हुई है। कोचिंग क्लासेस बिजनेस बन गया है। जितने समय स्कूल में उतने ही समय बच्चे कोचिंग क्लासेस में रहते हैं। उनके बैठने, शौचालय, पानी, अग्नि से सुरक्षा आदि का प्रबंध है या नहीं, इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

इंटरनेट से लिया आइडिया, सुसाइड का सबसे हैरान करने वाला मामला

दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में एक होटल में एक 24 साल के युवक ने बेहद हैरान करने वाले तरीके से आत्महत्या करने का मामला सामने आया है. शख्स ने पहले इंटरनेट से आत्महत्या करने का तरीका सीखा और फिर होटल में कमरा बुक किया. इसके बाद होटल के कमरे में ही उसने सुसाइड कर लिया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

नितेश नाम के इस युवक ने 21 मार्च दोपहर के समय आदर्श नगर के अभिषेक होटल में कमरा बुक कराया और अपने साथ एक छोटा बैग लेकर कमरे में पहुंचा. उस बैग में उसके पास एक छोटा ऑक्सीजन सिलेंडर था. कमरे में पहुंचने के बाद उसने सिलेंडर में एक पाइप लगाया और इस पाइप को एक पॉलिथीन से कनेक्ट कर दिया. इसके बाद उसने पॉलिथीन से अपने चेहरे को पूरी तरह ढक लिया और उसके बाद सिलेंडर को ऑन कर दिया. अत्यधिक मात्रा में ऑक्सीजन लेने की वजह से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पुलिस के मुताबिक, मृतक के पास से एक सुसाइड लेटर मिला है, जिसमें उसने लिखा है कि वह अपनी बीमारी से काफी परेशान हैं और अगर वह आत्महत्या कर लेता है तो उसके माता-पिता का उसके इलाज में होने वाला खर्च भी खत्म हो जाएगा.

एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार को लेकर आपत्तिजनक बयान

जोरदार नारों के साथ दादा भुसे का विरोध

मुंबई, ह्यपन्नास खोके माजलेत बोकेङ्क पन्नास खोके, एकदम ओकेङ्क दादा भुसे मुदार्बादङ्कदादा भुसे का करे क्या, सिर नीचेङ्कह्ल राष्ट्रवादी और घटक दलों के विधायकों ने अध्यक्ष के आसन के सामने जाकर धरना प्रदर्शन किया। इस पर भुसे के आपत्तिजनक वक्तव्य को जांच कर रिकॉर्ड से निकाल दिया जाएगा, ऐसा विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा।

सांसद संजय राऊत ने बंदरगाह विकास मंत्री दादा भुसे को लेकर ट्वीट किया था। दादा भुसे ने गिरना एग्रो के नाम से १७८ करोड़ २५ लाख के शेयर जुटाए लेकिन कंपनी की वेबसाइट पर १ करोड़ ६७ लाख शेयर सिर्फ ४७

सदस्यों के नाम पर दिखाए। यह लूट है और किसान इसके खिलाफ सड़कों पर उतर आए हैं। इस आशय का ट्वीट था। दादा भुसे ने विधानसभा में नियम ४८ के तहत बयान देते हुए इस मुद्दे को उठाया। इस मौके पर उन्होंने एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। इस पर एनसीपी के सदस्य भड़क गए और वे जोरदार नारों के साथ भुसे का विरोध करते हुए अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए। इस पर अध्यक्ष नार्वेकर ने नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार से इस पर अपनी राय रखने को कहा। अजीत पवार ने कहा कि शरद पवार हमारे राष्ट्रीय नेता हैं, ऐसे आपत्तिजनक तरीके से उनका नाम न लें। आबकारी मंत्री शंभुराज देसाई ने सदन में कहा कि दादा भुसे का दिया गया बयान शरद पवार का अपमान करने का इरादा नहीं था। उन्होंने कोई आपत्तिजनक उद्गार नहीं किया।

अध्यक्ष नार्वेकर के कहा कि आज के दिन का कामकाज समाप्त होने तक भुसे के बयान की जांच करेंगे और इसमें जो कुछ भी अनुचित होगा, उसे कामकाज की कार्यवाही से हटा देंगे। ऐसा आश्वासन देने के बाद राकांपा के सदस्य शांत हुए। विधायक जयंत पाटील ने कहा कि भुसे का यह बयान मीडिया में प्रसारित हुआ है इसलिए अध्यक्ष अपना निर्णय तत्काल दें, ऐसी मांग की।

उद्यानों में टॉयलेट, पानी, बिजली और सुरक्षा की व्यवस्था होगी

मुंबई, मुंबई महानगरपालिका के अंतर्गत आनेवाले सभी उद्यानों में टॉयलेट, पानी, बिजली और सुरक्षा की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए मुंबई मनपा आयुक्त को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी विधानसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी।

मरीन ड्राइव पर और अधिक आधुनिक टॉयलेट बनाने की सूचना दी गई है। साथ ही मनपा क्षेत्र में पश्चिम और पूर्वी एक्सप्रेस-वे पर भी शौचालय बनाए जाएंगे। मंगलवार को प्रश्नोत्तर के दौरान सदस्यों ने मुंबई मनपा क्षेत्र में स्थित सभी उद्यानों में टॉयलेट और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं होने का सवाल उठाया। सदस्य लिखित जवाब से संतुष्ट नहीं थे।

कपड़ा आयुक्तालय के दिल्ली जाने की खबर पर विधानसभा में विपक्ष ने आक्रामक तेवर दिखाए

मुंबई, मुंबई को कभी हिंदुस्थान का मैनचेस्टर कहा जाता था। इसका कारण था कि यहां कपड़ा बनाने की काफी मिलें थीं और मुंबई का कपड़ा पूरी दुनिया में मशहूर था। इसी कारण से केंद्र सरकार ने मुंबई में कपड़ा आयुक्तालय (टेक्सटाइल कमिश्नर) का कार्यालय खोला था, पर अब मोदी सरकार इस कार्यालय को दिल्ली शिफ्ट करने जा रही है। इसके पहले महाराष्ट्र के अधिकार वाले कई उद्योग पहले ही गुजरात समेत अन्य राज्यों में शिफ्ट किए जा चुके हैं। अब कपड़ा आयुक्तालय के दिल्ली जाने की खबर पर कल विधानसभा में एकजुट होकर विपक्ष ने आक्रामक तेवर दिखाए।

कल विधानसभा में औचित्य के मुद्दे के तहत राकांपा विधायक जयंत पाटील ने इस सवाल को उठाया। इसके पहले राकांपा विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि बुधवार को गुढीपाडवा है और यह मराठी लोगों के लिए आनंद की बात है। मराठी लोग इस दिन से नए साल की शुरूआत करते हैं, लेकिन आनंद के इस दिवस पर मुंबई के लिए ये दुख की बात है। इसकी वजह यह है कि

मुंबई को मैनचेस्टर कहा जाता था। यह मुंबई का ऐतिहासिक महत्व था। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सचिन सावंत का कहना था कि वस्त्रोद्योग आयुक्तालय का कार्यालय १९४३ से मुंबई में है, उसे दिल्ली क्यों ले जाया जा रहा है। केंद्र सरकार की तरफ से मुंबई के महत्व को लगातार कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर अश्लील हरकत, २ महीनों में ऐसे ९ मामले दर्ज

ठाणे, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से बातें कर उनसे अश्लील हरकत करने की कुछ लोग कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि पुलिस उन्हें पकड़ नहीं पाएगी लेकिन ऐसा नहीं होता है। पिछले २ महीनों में ऐसे ९ मामले दर्ज किए गए हैं। सायबर पुलिस इन आरोपियों को सबक सिखाकर सोशल मीडिया पर जरा जुबान संभालकर बातें करने की चेतावनी दी है। बता दें कि कोरोना काल से ही सोशल मीडिया के इस्तेमाल को गति मिली है। आम लोग अपने खाली समय का इस्तेमाल सोशल मीडिया पर करते नजर आते हैं। बता दें कि सोशल मीडिया जितना फायदेमंद हैं उतना ही नुकसानदायक है। सोशल मीडिया पर आम लोग अनजान महिलाओं को अश्लील मैसेज भेजकर उनका विनयभंग करने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ जिले की सायबर पुलिस टेक्नोलॉजी के जरिए खोजकर सजा दिलाने का कार्य करती है। ठाणे पुलिस आयुक्तालय द्वारा मिली जानकारी अनुसार जनवरी से फरवरी के बीच ठाणे शहर पुलिस आयुक्तालय के विभिन्न पुलिस थानों में अश्लील टिप्पणी या आपत्तिजनक बयान पोस्ट करने के लिए नौ मामले दर्ज किए गए हैं।

एक बार फिर कैब लुटेरे सक्रिय, नशीला पदार्थ मिलाकर टैक्सी ड्राइवरों को लूट रहे लुटेरे

मुंबई, मुंबई में एक बार फिर कैब लुटेरे सक्रिय हो गए हैं। वे शीतपेय में नशीला पदार्थ मिलाकर टैक्सी ड्राइवरों को लूट रहे हैं। इसी तरह का एक मामला बांद्रा में प्रकाश में आया, जहां एक टैक्सी ड्राइवर को नशीला पदार्थ पिलाकर लूट लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, टैक्सी ड्राइवर संजय दुबे अपनी टैक्सी लेकर मुंबई सेंट्रल स्थित मराठा मंदिर के पास खड़े थे। उसी दौरान दो व्यक्ति आए और बांद्रा चलने के लिए उनकी टैक्सी में बैठ गए। बातों-बातों में उन दोनों ने उन्हें बताया कि वे मुंबई घूमने आए हैं। दिनभर घूमने के बाद उन्हें ताज होटल छोड़ना है। इधर-उधर घूमते हुए वे बांद्रा बैंड स्टैंड पहुंचे। वहां उन्होंने एक स्टॉल के पास टैक्सी रोकने के लिए कहा और दुबे को कोल्ड ड्रिंक पीने के लिए दिया। इसके बाद उन लोगों ने टैक्सी ड्राइवर को बांद्रा के भाभा अस्पताल चलने के लिए कहा। भाभा अस्पताल के पास टैक्सी पहुंचते ही दुबे बेहोश हो गए तो लुटेरे उनके पास के गए २३ हजार ६०० रुपए नकद, लाइसेंस, आधार कार्ड आदि लेकर चलते बने। जानकार बताते हैं कि संजय दुबे के बेटी की अगले महीने शादी है। वे किसी रिश्तेदार से रुपए उधार लेकर कपड़ा खरीदने जानेवाले थे। परिजन दिनभर उनसे संपर्क करते रहे। बाद में उन्हें पता चला कि बेहोशी की हालत में उन्हें भाभा अस्पताल में भर्ती किया गया है। होश में आने पर उन्होंने बांद्रा पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। खबर लिखे जाने तक संजय दुबे की हालत में सुधार हो रहा था। बांद्रा पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की छानबीन शुरू कर दी है। चर्चा है कि इस तरह की यह दूसरी घटना है।

नींद में अड़ंगा पैदा करते हैं मच्छर! 'गुडनाइट' सर्वेक्षण

मुंबई : रात में डंक मारते मच्छर बहुत परेशान करते हैं। इससे नींद पूरी नहीं होती और नींद की कमी कई बीमारियों को पैदा करती है। चिकित्सकों के अनुसार बदल चुकी जीवनशैली और तनाव, नींद संबंधी विकारों के प्रमुख कारण हैं। इसके साथ ही मच्छर भी एक प्रमुख कारण हैं। ये मच्छर स्वस्थ नींद में अड़ंगा पैदा करते हैं। हाल ही में ह्यगुडनाइटह्ल ने हिंदुस्थानियों पर एक सर्वे किया है, जिसमें कई रोचक बातें निकलकर सामने आई हैं। सर्वे से पता चला है कि करीब आधे हिंदुस्थानियों ने माना है कि मच्छरों के काटने और भिनभिनाहट से उनकी नींद खराब होती है। इतने ही लोगों ने नींद की कमी के लिए मच्छरों को जिम्मेदार ठहराया है।

इस सर्वे से पता चला है कि ५५ फीसदी हिंदुस्थानियों को लगता है कि मच्छरों के काटने से नींद पूरी नहीं हो पाती है। इतना ही नहीं, मच्छरों के बीच में डंक मारने से नींद खुल

जाती है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड की गुडनाइट ने नींद के पैटर्न पर मच्छरों के प्रभाव को समझने के लिए मार्केट रिसर्च और डेटा एनालिटिक्स फर्म ह्ययूजीओवीह्ल के साथ मिलकर एक सर्वेक्षण किया। यह सर्वे पूरे हिंदुस्थान में १०१ से अधिक लोगों को साथ लेकर किया गया।

यह सर्वेक्षण स्पष्ट रूप से बता रहा है कि लगभग ६० फीसदी वयस्क इस ह्यमामूली खतरेह्ल को नींद की गड़बड़ी या अच्छी नींद की कमी का कारण मानते हैं। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन एक अन्य योगदान कारक है लेकिन नींद में खलल डालने के मामले में यह ह्यहमिंग मॉन्स्टरह्ल सबसे जिम्मेदार कारक है।

उत्तर और मध्य हिंदुस्थान क्षेत्र से ५५ फीसदी, दक्षिण क्षेत्र से ५३ फीसदी और पूर्व और उत्तर-पूर्व हिंदुस्थान से ५० फीसदी लोगों ने मच्छर के काटने और भनभनाहट को खराब या अच्छी नींद की कमी का प्रमुख कारण बताया। प्रत्येक दो वयस्कों में से औसतन एक ने मच्छरों को नींद संबंधी परेशानियों का प्रमुख कारण बताया।

मुंबई में ही रहेगा वस्त्रोद्योग आयुक्तालय

फडणवीस ने दिल्ली जाने की खबरों को बताया गलत

मुंबई : उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि मुंबई से वस्त्रोद्योग आयुक्तालय को दिल्ली ले जाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। केवल वस्त्रोद्योग आयुक्त और पांच अधिकारियों को दिल्ली आने को कहा गया है। विधानसभा में औचित्य के मुद्दे के तहत राकांपा विधायक जयंत पाटिल ने सवाल उठाया किया था कि मुंबई के महत्व को कम करते हुए वस्त्रोद्योग आयुक्तालय को दिल्ली ले जाया जा रहा है? इसके जवाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने मुंबई से वस्त्रोद्योग आयुक्तालय कार्यालय दिल्ली ले जाने का निर्णय नहीं लिया है। केवल वस्त्रोद्योग आयुक्त और 5 अधिकारियों को दिल्ली आने को कहा गया है। वस्त्रोद्योग मंत्रालय के पुनर्गठन और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए यह व्यवस्था की गई है। इस आयुक्तालय में 500 अधिकारी-कर्मचारी काम करते हैं। ऐसे में संपूर्ण आयुक्तालय को दिल्ली ले जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है।

इसके पहले राकांपा विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा था कि बुधवार को गुढीपाडवा है और यह मराठी लोगों के आनंद की बात है। मराठी लोग इस दिन से नए साल की शुरूआत करते हैं, लेकिन आनंद के दिवस मुंबई के लिए दुख की बात भी है। इसकी वजह यह है कि मुंबई को मैनचेस्टर कहा जाता था। यह मुंबई का ऐतिहासिक महत्व था। मुंबई कपड़ा उद्योग में अग्रणी थी, इसलिए यहां वर्ष 1943 में वस्त्रोद्योग आयुक्तालय की स्थापना की गई। इस आयुक्तालय को अब दिल्ली स्थानांतरित किया जा रहा है। इसका मतलब है कि केंद्र सरकार धीरे-धीरे मुंबई को कमजोर करने की योजना बना रही है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सचिन सावंत ने भी कुछ इसी तरह की टिप्पणी की थी। उनका कहना था कि वस्त्रोद्योग आयुक्तालय का कार्यालय 1943 से मुंबई में है, उसे दिल्ली ले जाया जा रहा है। केंद्र सरकार की तरफ से मुंबई के महत्व को लगातार कम करने का प्रयास किया जा रहा है।

CM एकनाथ शिंदे ने धूमधाम के साथ मनाया गुडी पडवा का त्यौहार

जनता से कही ये बड़ी बात...

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बुधवार को मराठी नववर्ष का स्वागत करने के लिए ठाणे शहर में आयोजित गुड़ी पड़वा समारोह में शामिल हुए। गुड़ी पड़वा पर्व, मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस मौके पर लोग अपने घरों में शुभ माने जाने वाले गुड़ी (ध्वज) फहराते हैं।

गुड़ी पड़वा समारोह में आए मुख्यमंत्री ने ठाणे शहर के कोपीनेश्वर मंदिर के पीठासीन देवता की पालकी को अपने कंधों पर उठाया और कुछ दूर तक चलते रहे। उन्होंने चिंतामणि चौक पर जिम्नास्टिक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और कलाकारों पर पुष्पवर्षा भी की। इस मौके पर पद्मभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध वायलिन वादक एन राजम भी उपस्थित थे। बाद में शिंदे ने ठाणे जिले के डोंबिवली शहर में गुड़ी पड़वा जुलूस में भाग लिया।

शिंदे ने कहा, त्योहारों के मौके पर सभी पाबंदियों को हटा दिया गया है। यह देखकर अच्छा लगा कि सभी वर्गों के लोग गुड़ी पड़वा मना रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने त्योहारों को मनाने के लिए ऐहतियातन लगाई गई सभी पाबंदियों को हटा लिया है और अब हम दही हांडी, गणेश चतुर्थी, दिवाली, दशहरा और अन्य त्योहार मना सकते हैं। यह देखकर अच्छा लगता है कि संस्कृति को सही मायने में संरक्षित किया जा रहा है।

गुड़ी या गुढ़ी शब्द का अर्थ एक ध्वज होता है और पड़वा का अर्थ प्रतिपदा अमावस्या का पहला दिन होता है। किसान नई फसल के मौसम की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए यह त्योहार मनाते हैं। इस दिन लोग अपने घरों की सफाई करते हैं और उन्हें रंग-बिरंगी रंगोली से सजाते हैं और गुड़ी फहराते हैं। गुड़ी पड़वा पर्व को लेकर मुंबई और अन्य जगहों पर लोगों में उत्साह नजर आ रहा है। जगह जगह पारंपरिक पोशाक में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के साथ रंगारंग शोभायात्रा निकाली जा रही हैं। संगीत, परंपरागत ढोल वादन और लेजिम नृत्य इन शोभायात्राओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

नितिन गडकरी को धमकी- 10 करोड़ दो वरना अंजाम भुगतो...

मुंबई : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास और कार्यालय में मंगलवार को सुरक्षा बढ़ा दी गई। दरअसल, एक व्यक्ति ने तीन बार भाजपा के वरिष्ठ नेता को फोन किया और धमकी दी कि अगर उसे दस करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया तो वह उन्हें नुकसान पहुंचाएगा। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि फोन करने वाले शख्स ने अपना नाम जयेश पुजारी उर्फ जयेश कंठ बताया। जनवरी में मंत्री के कार्यालय में फोन किया गया था, तब भी इस नाम का इस्तेमाल किया गया था।

नाबालिग युवक की हत्या कर फरार आरोपी को भोईवाड़ा पुलिस ने किया गिरफ्तार

भिवंडी : नाबालिग बहनों को देखकर अश्लील इशारे करने वाले से पूछताछ करने गए नाबालिग भाई की हत्या के मामले में फरार आरोपी दयानंद गंगाराम पामुला (56) को भोईवाड़ा पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार 13 फरवरी को भिवंडी शहर के पास करीवली गांव में दो बहनों को घर के बाहर खड़ा देखकर सामने की चाल में रहने वाला दयानंद गंगाराम पामुला अश्लील हरकतें कर रहा था। जिसे लेकर दयानंद से उसके परिवार वालों की कहासुनी होते हुए झगड़ा हो गया। इसी बीच लड़कियों का नाबालिग भाई सिद्धार्थ शिवशंकर मौर्य ने मौके पर दौड़कर पहुंचा और झगड़े और बहनों की छेड़छाड़ के मामले में बातचीत करने लगा बातचीत के दौरान आरोपी दयानंद ने चाकू कालकर सिद्धार्थ के ऊपर कई बार कर उसकी हत्या कर दी और अपने निवास का कोई प्रमाण छोड़े बिना फरार हो गया।

आरोपी की तलाश में चार टीमें गठित

अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त नवनाथ ढवले, सहायक पुलिस आयुक्त सुनील वडके के मार्गदर्शन में भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अंकुश बांगड़ के नेतृत्व में चार टीमें फरार आरोपी की तलाश कर रही थीं। पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार करने उसके पैतृक गांव गई थी। लेकिन जांच में पता चला कि भगोड़ा आरोपी फिर से भिवंडी लौट आया था। पुलिस निरीक्षक आरपी दराडे, हवलदार सुके, सोंगिरे, सावंत, कावड़े, पलवी, अलापुरे की पुलिस टीम ने जाल बिछाया और खोनी की एक फैक्ट्री में काम करने वाले दयानंद पामुला के चेहरे पर अंधेरा छा गया।

आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी में पहचान न हो इसके लिए आरोपी ने अपने सिर से बाल हटाकर अपना सामान्य पहनावा बदल लिया था। लेकिन पुलिस टीम को आखिरकार उसे गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

केडीएमसी ने सील की इतनी दुकानें, बाकी था किराया

कल्याण : कल्याण में केडीएमसी के आचार्य अत्रे नाट्य परिसर में पट्टे पर दिए गए गालों (दुकानों) किरायेदारों ने कई वर्षों से अपने बकाया का भुगतान नहीं किया था। संपत्ति विभाग द्वारा बार-बार किराया भरने की हिदायत देने के बावजूद उक्त किरायेदार किराए के बकाया का भुगतान करने में अनिच्छुक दिखाई पड़ रहे थे। महानगरपालिका कमिश्नर डॉ. भाऊसाहेब डांगडे के आदेशानुसार संपत्ति विभाग की उपायुक्त वंदना गुलबे के मार्गदर्शन उप अभियंता सीमा अठावले, अधीक्षक भगाजी भांगरे की टीम द्वारा 9 डिफाल्टरों की बकाया राशि 52,49,433 के 9 व्यवसायी दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई। संपत्ति विभाग की उपायुक्त वंदना गुलवे ने बताया कि महानगरपालिका के स्वामित्व वाले प्लाटों का बकाया सहित किराया नहीं देने पर संबंधित स्वामियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इसी तरह संपत्ति विभाग द्वारा महानगरपालिका के दुकानों/स्टॉल के मालिकों से अपील की जा रही है कि वे दुकानों/स्टॉल के बकाया किराए की राशि तत्काल जमा कराकर महानगरपालिका को सहयोग करें। इसके अलावा 7/एच वार्ड जॉन 11 में संपत्ति मालिक विठाबाई मोतीराम म्हात्रे की संपत्ति रुपए 44,73,300 उक्त संपत्ति के भवन में स्थित एक व्यावसायिक होटल को सील कर दिया गया। उक्त संपत्ति के बकाया के कारण सील कर दिया गया है। एच जॉन 11 में ही बिल्डर भाविन आर. पटेल पर 26,04,086 रुपए बकाया होने पर ऊक्त बिल्डर के कार्यालय को सील कर दिया गया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com